AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नए छात्रों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

लविवि में पांच दिवसीय ओरिएंटेशन वीक का शुभारंभ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में सोमवार को कला संकाय के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के ओरिएंटेशन (अभिमुखीकरण) कार्यक्रम में छात्रों को लविवि की ऐतिहासिक विरासत से परिचय करवाया गया।

लविवि में आर्ट फैकल्टी में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के दौरान अतिथिगण व मौजूद लोग। संवाद

कार्यक्रम में हिंदी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अरब कल्चर, आचार्य, अरेबिक, कंपोजिट हिस्ट्री या वेस्टर्न हिस्ट्री, पत्रकारिता और जनसंचार, ललित कला, प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच, मनोविज्ञान और अनुवाद के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों से संवाद किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू ने विद्यार्थियों को विवि के नियमों से परिचित कराया।

अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी ने छात्रों को अनुसंधान-गहन शैक्षणिक माहौल के बारे में समझाया। चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी ने नए छात्रों को अनुशासन के नैतिक सिद्धांतों की जानकारी दी। वहीं अधिष्ठाता ललित कला संकाय प्रो. रतन कुमार ने विद्यार्थियों को सकारात्मक रहने का मंत्र दिया। इस मौके पर मानद लाइब्रेरियन प्रो. डीआर साहू, प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप सिंह, प्रो. रूपेश कुमार मौजूद रहे।

लविवि के शिक्षक को क्ले सिरेमिक आधारित गैस सेंसर पर मिला पेटेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

लविवि के भौतिक विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं डॉ. सीआर गौतम

लखनऊ। लखनऊ विवि के भौतिक विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीआर गौतम को उनके अनुसंधान के लिए भारतीय पेटेंट दिया गया है। राज्य सरकार की रिसर्च एंड डवलपमेंट योजना के तहत मान्यता प्राप्त रिसर्च को नई दिल्ली स्थित भारतीय पेटेंट कार्यालय से 13 अक्तूबर को स्वीकार कर प्रकाशित कर दिया गया है। यह पेटेंट फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरेमिक नैनो कंपोजिट आधारित सेंसर पर मिला है।

पेटेंट निर्माण में बीबीएयू के भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. डॉ. बालचंद्र यादव और शोधार्थी अजीत सिंह ने डॉ. गौतम की मदद की है। डॉ. गौतम ने बताया कि सेंसर का निर्माण मिट्टी, प्राकृतिक और हल्के रासायनिक पदार्थों का मिश्रण करके किया गया है। कार्बन डाइऑक्साइड से प्रभावित वायुमंडल को पहचानने में यह सेंसर मदद करेगा। यह बाजार में मौजूद सेंसर से काफी सस्ता होगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुभकामनाएं दीं।

डॉ. सीआर गौतम

नए परीक्षा भवन निर्माण के लिए जमीन खाली करने का नोटिस

लविवि में 23 करोड़ से बनेगा नया परीक्षा भवन

विवि के पिछले हिस्से में मिलनी पार्क के पास बनेगा

लखनऊ। लविवि में प्रस्तावित नवीन परीक्षा भवन के निर्माण के लिए कार्रवाई तेज हो गई है। परीक्षा भवन के निर्माण के लिए प्रस्तावित जमीन पर बने मकानों को खाली करने के लिए लविवि प्रशासन ने तीन कर्मचारियों को घर खाली करने का नोटिस दिया है। लखनऊ विवि में 23.11 करोड़ की लागत से नए परीक्षा भवन का निर्माण किया जाना है। यह भवन विवि के पिछले हिस्से में मिलनी पार्क चौराहा के निकट बनना प्रस्तावित है। निर्माण के लिए कार्यदायी संस्था का चयन कर लिया गया है। इसी माह के अंत तक कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय इस भवन के निर्माण के लिए शिलान्यास कर सकते हैं। चार तलों का बनने वाला यह भवन अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा जिसमें सुरक्षा के सभी इंतजाम होंगे। इस भवन में बायोमीट्रिक या फेस रिकॉगनाइजेशन के बगैर किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा भवन के निर्माण से विवि में समय की बचत होगी और परिणाम बिना देरी के जारी हो सकेंगे। (संवाद)

सुभाष कॉलेज में बीबीए, शिया में बीएससी टूरिज्म

लविवि में कार्यपरिषद की मंजूरी को आज रखे जाएंगे कई प्रस्ताव

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय में इसी सत्र से बीबीए रिटेल और शिया पीजी कॉलेज में बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी पाठ्यक्रम संचालित होंगे। लखनऊ विवि में मंगलवार को होने वाली कार्यपरिषद की बैठक में इसके साथ ही कई प्रस्ताव मंजूरी के लिए रखे जाएंगे।

कार्य परिषद के सामने रखे जाने वाले एजेंडे के तहत इन दोनों कॉलेजों के साथ ही गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजूकेशन में बीबीए रिटेल, हीरालाल यादव बालिका डिग्री कॉलेज सरोजनीनगर में बीबीए रिटेल और सीतापुर के दीनदयाल उपाध्याय राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीबीए रिटेल पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव है।

इन सभी कॉलेजों को तीन साल के लिए अस्थायी सहयुक्तता देने का प्रस्ताव है। कार्य परिषद की बैठक कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार दोपहर दो बजे से होगी।

■ *बायोकेमिस्ट्री विभाग में शुरू होगा नया मेडल :* कार्य परिषद के सामने बायोकेमिस्ट्री विभाग में एमएससी में सबसे ज्यादा नंबर लाने वाले मेधावी विद्यार्थी को प्रो. एसके अग्रवाल गोल्ड मेडल देने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। मालूम हो कि प्रो. सुधीर मेहरोत्रा ने यह मेडल शुरू करने के लिए विवि के कोष में पांच लाख रुपये जमा किए हैं।

स्थायीकरण के साथ ही समाप्त होंगी कई शिक्षक-कर्मचारियों की सेवाएं

कार्य परिषद के सामने कई संविदा शिक्षकों और अनुमोदित कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का प्रस्ताव भी रखा जाना है। इसमें परीक्षा से लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले राजकुमार सक्सेना का नाम शामिल है। इंजीनियरिंग संकाय के डॉ. शैलेंद्र भास्कर और डॉ. कौमुदी सिंह को कार्यमुक्त करने के पत्र कार्यपरिषद के अनुमोदन के लिए पेश किए जाएंगे। इसके अलावा कई कर्मचारियों तथा शिक्षकों का स्थायीकरण करने का प्रस्ताव भी कार्य परिषद के सामने मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

लविवि की छात्राओं ने खेला डांडिया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के लावण्या छात्रावास में सोमवार को छात्राओं की ओर से डांडिया कार्यक्रम रंगताली का आयोजन हुआ। प्रवोस्ट डॉ. अनुपमा, सहायक प्रवोस्ट डॉ. ऋतु और विवि की महिला शिक्षकों की मौजूदगी में छात्राओं ने लोकगीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ लोक संगीत की धुनों पर पारंपरिक डांडिया नृत्य किया। बारिश भी छात्राओं के उत्साह को कम नहीं कर पाई। इस दौरान हॉस्टल को रंगबिरंगी लाइटों व रंगों से सजाया गया। इससे नवरात्रि महोत्सव में चार चांद लग गए। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

परीक्षा भवन के लिए घर खाली करने का नोटिस

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रस्तावित नवीन परीक्षा भवन के निर्माण के लिए कर्मचारियों को घर खाली करने का नोटिस दिया गया है। इसके लिए विवि के अलग-अलग विभागों में कार्यरत तीन कर्मचारियों को नोटिस भेजा गया है। जिससे जर्जर घरों को गिराकर निर्माण कार्य शुरू किया जा सके।

एलयू में 23 करोड़ 11 लाख की लागत से नए परीक्षा भवन का निर्माण किया जाएगा। यूनिवर्सिटी में मिलनी पार्क चौराहा के निकट नए परीक्षा भवन का प्रस्ताव है। जिसके लिए कार्यदायी संस्था का निर्धारण लगभग तय है। इसी माह के अंत तक कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा नए परीक्षा भवन के शिलान्यास करने की संभावना है।

एलयू में नए छात्रों को बताए नियम

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को ओरिएंटेशन वीक के तहत कला संकाय के कई विभागों में नए छात्रों को कैंपस की गतिविधिया बताई गईं। पहले दिन मालवीय सभागार में हिंदी, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अरब कल्चर, आचार्य, अरेबिक, कंपोजिट हिस्ट्री या वेस्टर्न हिस्ट्री, पत्रकारिता और जनसंचार, ललित कला, प्रोफिशिएंसी इन फ्रेंच, मनोविज्ञान और अनुवाद के प्रथम वर्ष के छात्रों विश्वविद्यालय के नियम कायदे बताए गए।

एलयू के शिक्षक के गैस सेंसर को मिला पेटेंट

लखनऊ। एलयू के भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीआर गौतम के रिसर्च को भारतीय पेटेंट मिल गया है। राज्य सरकार की रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के तहत मान्यता प्राप्त रिसर्च को नई दिल्ली स्थित भारतीय पेटेंट कार्यालय से 13 अक्टूबर को स्वीकार कर प्रकाशित कर दिया गया है। फ्लाई ऐश डोड क्ले सिरामिक नैनो कंपोजिट आधारित सेंसर का डॉ. सीआर गौतम के निर्देशन में सेंसर का निर्माण किया गया है।

एलयू के लावण्या हॉल में सोमवार को डांडिया नाइट का आयोजन किया गया।

लोक संगीत की धुनों पर छात्राओं ने खेला डांडिया

लखनऊ। एलयू के लावण्या हॉल में छात्राओं और कर्मचारियों की ओर से डांडिया कार्यक्रम रंगताली का आयोजन हुआ। जिसके जश्न के साथ नवरात्र की शुरूआत हुई। प्रोवोस्ट डॉ. अनुपमा, सहायक प्रोवोस्ट डॉ. ऋतु और विवि की महिला शिक्षकों की मौजूदगी में छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। लोक संगीत की धुनों पर पारंपरिक डांडिया नृत्य किया। बारिश भी छात्राओं के उत्साह को कम नहीं कर पाई हॉस्टल को रंगबिरंगी लाइटों व रंगों से सजाया गया।

एमबीए के 60 छात्रों ने नौकरी का इंटरव्यू दिया

लखनऊ। एलयू के वाणिज्य विभाग की ओर से एमबीए फाइनेंस एंड अकाउंटिंग के छात्रों के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम निदेशक प्रो. अवधेश कुमार शुक्ला ने बताया कि ईएसएएफ स्माल फाइनेंस बैंक ने एक्जीक्यूटिव ट्रेनी पद के लिए साक्षात्कार लिया। पद का पैकेज 5.25 लाख प्रतिवर्ष है। जिसके लिए 60 छात्रों का साक्षात्कार हुआ। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में और भी कई कम्पनियां दस्तक देंगी।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि अब संकायों की कराएगा ग्रेडिंग

अधिष्ठाता एकेडमिक सेल ने तैयार किया प्रोफार्मा, जल्द शुरू होगी प्रक्रिया

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय पहली बार संकाय वार ग्रेडिंग कराएगा। अभी तक विभाग स्तर पर ग्रेडिंग होती थी। नई प्रक्रिया के तहत अधिष्ठाता एकेडमिक सेल ने प्रोफार्मा तैयार कर लिया है। चूंकि ग्रेडिंग में शोध पत्रों की अहम भूमिका है, इसलिए संकाय के अनुसार अलग-अलग पैरामीटर बनाए जाने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही संकायों को प्रोफार्मा भेजकर विवरण मांगा जाएगा।

लवि में 10 संकाय, 47 विभाग और 17 संस्थान संचालित हैं। बीते कुछ वर्षों में दो बार विभागों की ग्रेडिंग कराई गई थी। इसमें भौतिक और जंतु विज्ञान विभाग पहले स्थान पर रहा था। अब संकायवार ग्रेडिंग कराने की तैयारी है। निर्धारित प्रोफार्मा के आधार पर इसमें विभागों को अपने यहां संचालित कोर्स, छात्र संख्या, प्लेसमेंट से लेकर मिले हुए रिसर्च प्रोजेक्ट, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित रिसर्च पेपर, वर्कशाप, एक्सट्रा को-करिकुलर एक्टिविटीज आदि का विवरण देना होगा हालांकि शोध पत्रों को लेकर कुछ पैरामीटर अलग बनाने की तैयारी है। प्रोफार्मा में निर्धारित प्रोफार्मा के प्रत्येक बिंदु के आधार पर अंक निर्धारित होंगे। कुलपति की अनुमति मिलते ही यह प्रोफार्मा जारी किया जाएगा।

> लवि में इस बार संकाय वार ग्रेडिंग कराने की योजना है। इसके लिए प्रोफार्मा बनाया गया है। जल्द ही उसे जारी कर पैरामीटर के अनुसार विवरण लिया जाएगा।
>
> **प्रो. गीतांजलि मिश्रा**, डीन एकेडमिक्स, लवि

विभागों को बताना होगा एमओयू का अपडेट : लवि के उन सभी विभागों एवं संस्थानों को अपने यहां एक साल में हुए एमओयू में की गईं गतिविधियों का अपडेट देना होगा। इसके अलावा कार्यशालाओं की भी रिपोर्ट बतानी होगी। इसके लिए जल्द ही एकेडमिक सेल की ओर से गूगल फार्म जारी किया जाएगा।

नए कालेजों में विशेष शिक्षा से जुड़े कोर्स शुरू होंगे

जासं, लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय से जुड़े कालेजों की संख्या में जल्द विस्तार होगा। वर्तमान सत्र 2023-24 के लिए करीब 12 कालेजों ने आवेदन किया है, जिसकी सहमति के लिए शासन को पत्रावली भेजी गई है। वहां से अनुमति मिलने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन संबंधित कालेजों का स्थलीय निरीक्षण कर लेंगे, लाइब्रेरी, जमीन सहित अन्य अभिलेखों का सत्यापन कराएगा। फिर संबद्धता पर निर्णय लिया जाएगा। शकुंतला विश्वविद्यालय में अभी 11 कालेज संबद्ध हैं। उप कुलसचिव अनिल मिश्रा ने बताया कि नए कालेजों को संबद्धता देने की प्रक्रिया चल रही है। इनमें विशेष शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रम जैसे बीएड एचआई, बीएड वीआइ, बीएड आइडी, पीजीडीआरसी, एमफिल इन क्लीनिकल साइकोलाजी आदि शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि यदि एक सप्ताह में शासन से अनुमति का पत्र आ जाता है और कालेज के पास प्रवेश के लिए अभ्यर्थी होंगे तो अनुमति इसी सत्र से दी जाएगी। अन्यथा अगले सत्र से नए कालेज प्रवेश शुरू कर सकेंगे।

'विश्वविद्यालय के अनुभवी शिक्षक तराशेंगे विद्यार्थियों का भविष्य'

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को पांच दिवसीय कला एवं विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में पीजी कोर्सों में प्रवेशित नए छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंच पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संगीता साहू, डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डीन कला प्रो.अरविंद अवस्थी एवं ललित कला संकाय के डीन डा. रतन कुमार मौजूद रहे।

पहले दिन हिंदी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, अरब कल्चर सहित कई विभागों के विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने नए छात्र-छात्राओं से कहा कि विश्वविद्यालय के अनुभवी शिक्षक उनके भविष्य को तराशेंगे। उनका मार्गदर्शन भी करेंगे। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो.संगीता साहू ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों एवं विनियमों के बारे में बताया। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद अवस्थी ने नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत कर विद्यार्थियों को अनुसंधान-गहन शैक्षणिक माहौल और अनुभवी संकायों के तालमेल का सर्वोत्तम लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को विश्वविद्यालय का हिस्सा बनने पर बधाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते कला संकाय के डीन प्रो.अरविंद अवस्थी ● जागरण

i-NEXT PAGE 4

मिला क्ले सिरेमिक आधारित सेंसर का पेटेंट

PIC: DAINK JAGRAN-I NEXT

एलयू के भौतिक विज्ञान विभाग के असोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीआर गौतम ने बनाया सेंसर

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (16 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी के फिजिक्स डिपार्टमेंट को फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरामिक नैनो कंपोजिट आधारित सेंसर पर भारतीय पेटेंट मिला है. विभाग (एडवांस्ड ग्लास एंड ग्लास सेरेमिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीआर गौतम के निर्देशन से सेंसर को बनाया गया है. डॉ. गौतम के मुताबिक, इस सेंसर को मिट्टी और अन्य प्राकृतिक और हल्के रासायनिक पदार्थों को मिलाकर बनाया गया है.

किफायती गैस सेंसर बनाने में मिलेगी मदद

प्रो. गौतम का कहना है कि मौजूदा समय में कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल को बहुत अधिक प्रभावित कर रहा है और हमें इसे पहचानने के लिए सस्ते और प्रभावी तरीकों की आवश्यकता है. बाजार में कई गैस सेंसर हैं, लेकिन वे महंगे होते हैं, जिससे कई लोगों के लिए उपयुक्त नहीं होते. इस सेंसर को बनाने का मुख्य उद्देश्य सस्ते और प्रभावी गैस सेंसर बनाना है. इस गैस सेंसर को ऐसे तैयार किया गया है कि इसमें अधिक छिद्रता और घनत्व होगा, जिससे गैस की पहचान की क्षमता में वृद्धि होगी. यह मिट्टी पर आधारित गैस सेंसर सस्ता, प्रभावी, और टिकाऊ है.

ये रहे शामिल

सेंसर को बनाने में डॉ. गौतम व उनके शोधार्थियों सर्वेश कुमार अविनाशी, रजत कुमार मिश्रा, श्वेता, सविता कुमारी, डॉ. एजाज हुसैन, राखी, आकाश सचान, डॉ. जायरीन फातिमा व डॉ. अमरेंद्र गौतम शामिल है. उनके अलावा गैस सेंसर के निर्माण में बीबीएयू के भौतिक विज्ञान विभग (नैनोमटेरियल्स और सेंसर रिसर्च लेबोरेटरी) के प्रोफेसर डॉ. बाल चंद यादव और उनके शोधार्थी अजीत सिंह का सहयोग मिला है.

25 सितंबर को किया था पेटेंट के लिए आवेदन

डॉ. गौतम ने बताया कि इस पेटेंट को भारतीय पेटेंट कराने के लिए 25 सितंबर 2023 को आवेदन किया गया था. भारतीय पेटेंट कार्यालय, नई दिल्ली की ओर से 13 अक्टूबर स्वीकार कर प्रकाशित कर दिया गया. इस शोध को राज्य सरकार की रिसर्च और डेवलपमेंट योजना के तहत मान्यता प्राप्त है. इस प्रोजेक्ट का विषय वाटर फिल्टरेशन और गैस सेंसर के लिए क्ले (मिट्टी) आधारित छिद्रयुक्त सिरेमिक का निर्माण है. इसमें मेरे साथ साथ प्रो. एसपी सिंह भी सह-निर्देशक के रूप में शामिल है.

क्ले सिरेमिक से बने गैस सेंसर का पेटेंट

डा. सीआर गौतम● लोअजन्स तथि

जासं, लखनऊ : लवि के भौतिक विज्ञान विभाग को फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरेमिक नैनो कंपोजिट आधारित गैस सेंसर पर भारतीय पेटेंट मिल गया है। भौतिक विज्ञान विभाग (एडवांस्ड ग्लास एंड ग्लास सेरेमिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम के निर्देशन में मिट्टी एवं अन्य प्राकृतिक व हल्के रासायनिक पदार्थों का मिश्रण करके सेंसर तैयार किया गया है।

सेंसर का निर्माण डा. गौतम व उनके शोधार्थियों सर्वेश कुमार अविनाशी, रजत कुमार मिश्रा, स्वेता, सविता कुमारी, डा. एजाज हुसैन, राखी, आकाश सचान, डा. जायरीन फातिमा व डा. अमरेंद्र गौतम ने मिलकर किया है। बीबीएयू के भौतिक विज्ञान विभाग (नैनोमटेरियल्स और सेंसर रिसर्च लेबोरेटरी) के प्रोफेसर डा. बाल चंद्र यादव व शोधार्थी अजीत सिंह का भी सहयोग मिला है।

घर खाली करने का नोटिस

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 23 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से नए परीक्षा भवन का निर्माण कराया जाएगा। विश्वविद्यालय के पीछे की तरफ मिलनी पार्क चौराहे के पास प्रस्तावित इस भवन के लिए तीन कर्मचारियों को घर खाली कराने का नोटिस भेजा गया है, ताकि जर्जर घरों को गिराकर निर्माण शुरू किया जा सके। प्रस्तावित चार मंजिला नए परीक्षा भवन में सभी सुविधाएं होंगी। (जासं)

PIONEER PAGE 3

एलयू को मिला क्ले सिरेमिक आधारित सेंसर पर पेटेंट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग को फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरामिक नैनो कंपोजिट आधारित सेंसर पर भारतीय पेटेंट मिला है। भौतिक विज्ञान विभाग (एडवांस्ड ग्लास एंड ग्लास सेरेमिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सी आर गौतम के निर्देशन से सेंसर के निर्माण पर कार्य किया गया, जिसका निर्माण मिट्टी और अन्य प्राकृतिक और हल्के रासायनिक पदार्थों का मिश्रण करके किया गया है, जिसका बनाना सामान्य लोगों के लिए सुलभ हो सकता है।

इस सेंसर के निर्माण प्रक्रिया के बारे में डा सीआर गौतम के मुताबिक वर्तमान में कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल को अत्यधिक प्रभावित कर रहा है और हमें इसे पहचानने के लिए सस्ते और प्रभावी तरीकों की आवश्यकता है। बाजार में कई गैस सेंसर हैं, लेकिन वे महंगे होते हैं, जिससे कई लोगों के लिए उपयुक्त नहीं होते. इस सेंसर को बनाने का मुख्य उद्देश्य सस्ते और प्रभावी गैस सेंसर बनाना है. इस गैस सेंसर को ऐसे तैयार किया गया है कि इसमें अधिक छिद्रता और घनत्व होगा, जिससे गैस की पहचान की क्षमता में वृद्धि होगी. यह मिट्टी पर आधारित गैस सेंसर सस्ता, प्रभावी और टिकाऊ है तथा इसका सेंसर प्रतिक्रिया, समय और पुनर्प्राप्ति समय 3.39, 16.95 सेकंड और 18.05 सेकंड है। सेंसर का निर्माण डा. गौतम एवं उनके शोधार्थियों में सर्वेश कुमार अविनाशी, रजत कुमार मिश्रा, स्वेता, सविता कुमारी, डा. एजाज हुसैन, राखी, आकाश सचान, डा. जायरीन फातिमा एवं डा.अमरेंद्र गौतम के द्वारा पूर्ण किया गया है। इस गैस सेंसर के निर्माण में बीबीएयू के भौतिक विज्ञान विभाग (नैनोमटेरियल्स और सेंसर रिसर्च लेबोरेटरी) के प्रोफेसर डा. बाल चंद्र यादव और उनके शोधार्थी अजीत सिंह का सहयोग मिला है। इस गैस सेंसर के निर्माण में बीबीएयू के भौतिक विज्ञान विभाग (नैनोमटेरियल्स और सेंसर रिसर्च लेबोरेटरी) के प्रोफेसर डॉ. बाल चंद्र यादव और उनके शोधार्थी अजीत सिंह ने भी सहयोग किया। डॉ. गौतम ने बताया कि इसे पेटेंट कराने के लिए 25 सितंबर को आवेदन किया था। भारतीय पेटेंट कार्यालय ने 13 अक्टूबर को इसे स्वीकार कर प्रकाशित कर दिया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सस्ते और प्रभावी गैस सेंसर पर मिला पेटेंट

सेंसर में अधिक छिद्रता और घनत्व होगा, जिससे विभिन्न गैसों की पहचान की क्षमता में होगी वृद्धि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

उपलब्धि

- एसोसिएट प्रो. डॉ. सीआर गौतम के निर्देशन पर किया गया था गैस सेंसर का निर्माण
- वायुमंडल में मौजूद गैसों को पहचानने में करेगा मदद

प्रो. डॉ. सीआर गौतम

अनुसंधान और शैक्षणिक माहौल का लाभ उठाएं छात्र

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले नए छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों से अनुसंधान और शैक्षणिक माहौल का लाभ उठाने को कहा गया। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्रो. संगीता साहू ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों एवं विनियमों से परिचित कराया। इस दौरान डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट्स प्रो. अरविंद अवस्थी, ललित कला संकाय के डीन डॉ. रतन कुमार, चीफ प्रॉक्टर प्रो. राकेश द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग को फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरामिक नैनो कंपोजिट आधारित सेंसर पर भारतीय पेटेंट मिला है। गैस सेंसर को अधिक छिद्रता और घनत्व के साथ बनाया गया है। जिससे वायुमंडल में मौजूद गैसों की पहचान करने की क्षमता में वृद्धि होगी। इसका मुख्य उद्देश्य सस्ते और प्रभावी गैस सेंसर का निर्माण करना है।

भौतिक विज्ञान विभाग (एडवांस्ड ग्लास एंड ग्लास सेरेमिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सीआर गौतम के निर्देशन में सेंसर के निर्माण पर काम किया गया। इस सेंसर के उपयोग से वायुमंडल में मौजूद गैसों को पहचानने में मदद मिलेगी और ये बाजार में मौजूद दूसरे गैस सेंसर से सस्ते भी होंगे। उन्होंने बताया कि सेंसर का निर्माण मिट्टी, अन्य प्राकृतिक और हल्के रासायनिक पदार्थों का मिश्रण करके किया गया। यह सामान्य लोग भी बना सकेंगे। मिट्टी पर आधारित गैस सेंसर सस्ता, प्रभावी और टिकाऊ है। सेंसर का रिस्पांस और रिकवरी समय 3.39, 16.95 सेकंड और 18.05 सेकंड है।

सेंसर का निर्माण डॉ. गौतम एवम उनके शोधार्थियों सर्वेश कुमार अविनाशी, रजत कुमार मिश्रा, श्वेता, सविता कुमारी, डॉ. एजाज हुसैन, राखी, आकाश सचान, डॉ. जायरीन फातिमा एवं डॉ. अमरेंद्र गौतम ने किया है। इस गैस सेंसर के निर्माण में बीबीएयू के भौतिक विज्ञान विभाग (नैनोमटेरियल्स और सेंसर रिसर्च लेबोरेटरी) के प्रोफेसर डॉ. बाल चंद्र यादव और उनके शोधार्थी अजीत सिंह ने भी सहयोग किया। डॉ. गौतम ने बताया कि इसे पेटेंट कराने के लिए 25 सितंबर को आवेदन किया था। भारतीय पेटेंट कार्यालय ने 13 अक्टूबर को इसे स्वीकार कर प्रकाशित कर दिया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि को मिला क्ले सिरेमिक आधारित सेंसर पर पेटेंट

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग को फ्लाई ऐश डोप्ड क्ले सिरामिक नैनो कंपोजिट आधारित सेंसर पर भारतीय पेटेंट मिला। भौतिक विज्ञान विभाग (एडवांस्ड ग्लास एंड ग्लास सेरेमिक्स रिसर्च लेबोरेटरी) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.सीआर गौतम के निर्देशन से सेंसर के निर्माण पर कार्य किया गया। जिसका निर्माण मिट्टी और अन्य प्राकृतिक और हल्के रासायनिक पदार्थों का मिश्रण करके किया गया है, जिसका बनाना सामान्य लोगों के लिए सुलभ हो सकता है। डा. सीआर गौतम इस सेंसर के निर्माण प्रक्रिया के बारे में बता रहे हैं कि वर्तमान में कार्बन डाइऑक्साइड वायुमंडल को अत्यधिक प्रभावित कर रहा है और हमें इसे पहचानने के लिए सस्ते और प्रभावी तरीकों की जरूरत है। बाजार में कई गैस सेंसर हैं, लेकिन वे महंगे होते हैं, जिससे कई लोगों के लिए उपयुक्त नहीं होते। इसका मुख्य उद्देश्य सस्ते और प्रभावी गैस सेंसर का निर्माण करना है। इस गैस सेंसर को ऐसे तैयार किया गया है कि इसमें अधिक छिद्रता और घनत्व होगा, जिससे गैस की पहचान की क्षमता में वृद्धि होगी। यह मिट्टी पर आधारित गैस सेंसर सस्ता, प्रभावी और टिकाऊ है तथा इसका सेंसर प्रतिक्रिया, समय और पुनर्प्राप्ति समय 3.39, 16.95 सेकंड और 18.05 सेकंड है। सेंसर का निर्माण डा. गौतम एवं उनके शोधार्थियों में सर्वेश कुमार अविनाशी, रजत कुमार मिश्रा, स्वेता, सविता कुमारी, डा. एजाज हुसैन, राखी, आकाश सचान, डा. जायरीन फातिमा एवं डा.अमरेंद्र गौतम के द्वारा पूर्ण किया गया है। इस गैस सेंसर के निर्माण में बीबीएयू के भौतिक विज्ञान विभाग (नैनोमटेरियल्स और सेंसर रिसर्च लेबोरेटरी) के प्रोफेसर डा. बाल चंद्र यादव और उनके शोधार्थी अजीत सिंह का सहयोग मिला है। डा. गौतम ने बताया कि इस पेटेंट को भारतीय पेटेंट कराने के लिए 25 सितंबर 2023 को आवेदन किया गया था। भारतीय पेटेंट कार्यालय नई दिल्ली की ओर से 13 अक्टूबर 2023 स्वीकार कर प्रकाशित कर दिया गया। इस शोध को राज्य सरकार की रिसर्च और डेवलपमेंट योजना के तहत मान्यता प्राप्त है और इसके तहत भौतिक विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सीआर गौतम को प्रोजेक्ट सौंपा गया है। इस प्रोजेक्ट का विषय वाटर फिल्टरेशन और गैस सेंसर के लिए क्ले (मिट्टी) आधारित छिद्रयुक्त सिरेमिक का निर्माण है और इसमें डा. गौतम के साथ-साथ प्रो.एसपी सिंह भी सहनिर्देशक के रूप में शामिल हैं।

छात्रों को शैक्षणिक माहौल का फायदा उठाने के लिए किया प्रोत्साहित

स्वतंत्र भारत संवाददाता,लखनऊ। विश्वविद्यालय अधिष्ठाता छात्र कल्याण के तत्वाधान में 16 से 20 अक्टूबर तक कला और विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में परास्नातक कार्यक्रमों के नवप्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन कुलपति आलोक कुमार राय के कुशल निर्देशन में किया गया। समारोह का औपचारिक उद्घाटन अतिथियों द्वारा सोमवार को किया गया। इसके पश्चात विवि की परंपरा का पालन करते हुए दीप प्रज्वलन व कुलगीत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो.संगीता साहू ने सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्होंने विद्यार्थियों को विवि के नियमों एवं विनियमों से परिचित कराया। डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट्स प्रो. अरविंद अवस्थी ने न